VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1509)

Name of Candidate	रोशन मीणा		
Medium Eng./Hindi	हिन्दी	Registration Number	004144
Center	ऑनलाइन	Date	14/12/2021

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:-

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. The architecture of Vijayanagara kingdom has a distinctive style comprising of unique features. Elaborate with examples. **(150 words) 10**
विजयनगर साम्राज्य की स्थापत्य कला अद्वितीय विशेषताओं से युक्त एक विशिष्ट शैली है। उदाहरणों के साथ सविस्तार वर्णन कीजिए।

विजयनगर साम्राज्य भारतीय स्थापत्य कला निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है।

स्थापत्य कला में विजयनगर साम्राज्य का योगदान =>

① मंदिर निर्माण कला.

• हम्पी के मंदिरों का निर्माण द्रविड़ शैली में किया गया।

• मंदिरों में गर्भगृह विशाल, आंगन तथा गोपुरम की बहुलता प्रमुख विशेषता रही

• पुनः स्थानीय बलुआ पत्थर, धातुओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गोनापुर की मूर्तियों की अधिकता प्रमुख विशेषता है जो अन्य शैलियों से अलग करती हैं।

(2) दुर्ग निर्माण कला –

• स्थापत्य में विजयनगर साम्राज्य का दुर्ग अपनी विशेषता और आर्किटेक्चर के कारण विशेष तौर पर प्रशंसनीय है।

(3) भवनों का व्यवस्थित निर्माण, राजप्रासाद का अलंकरण, रत्न धातुओं का स्थापत्य में प्रयोग विशिष्ट है।

(4) विजयनगर शासक राजेंद्र प्रथम तथा राज राजेश्वर प्रमुख रूप से कला के संरक्षक रहे।

इस प्रकार विजयनगर साम्राज्य की स्थापत्य कला में मंदिर, प्रासाद तथा स्थापत्य की अन्य कलाएँ महत्वपूर्ण रहीं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Although the tenure of Lord William Bentinck was short, it was marked by enduring reforms. Elaborate. **(150 words) 10**

यद्यपि लॉर्ड विलियम बेंटिंक का कार्यकाल छोटा था, तथापि इसे स्थायी सुधारों के लिए जाना जाना जाता है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

लॉर्ड विलियम बैंटिंग 1828 से 1835 तक भारत के गवर्नर जनरल रहे। उनका शासन काल छोटा होते हुए भी सुधारों की दृष्टि से महत्वपूर्ण था।

① सती प्रथा की समाप्ति :

1829 में सम्पूर्ण कलकत्ता और भारतीय ब्रिटिश प्रांतों से समाप्ति का परिणाम भारत में सामाजिक सुधारों को गति मिलने के रूप में आया।

② प्रेस सुधार -

उन्होंने चार्ल्स मेटकाफ से पूर्व ही भारतीय प्रेस पर ब्रिटिश कठोरता को कम किया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) शिक्षा में सुधार -
उनके शासन काल में ही अंग्रेजी और हिंदी को राजकाज में बरतने का द्वन्द्व रहा। बेंटिंग ने उच्च शिक्षा में अंग्रेजी और प्राथमिक पर मातृभाषा को समर्थन किया। इसे भी 1947 तक अपनाया जाता था।
(4) अखिल भारतीय गवर्नर जनरल पद के रूप में राष्ट्र की धारणा की पहली मुखर अभिव्यक्ति उन्हीं के नेतृत्व में।
(5) 1833 अधिनियम द्वारा सम्पूर्ण भारत में निवास, धर्म प्रचार की स्वतंत्रता को अपनाया गया।
(6) ठगी समाप्ति की दिशा में उन्होंने गंभीरतापूर्वक कार्य किया।
(7) कानून व्यवस्था के लिए न्यायिक सुधारों का ढांचा कार्नवालिस उपरांत उन्होंने सुधा. कह सकते है विलियम बेंटिंग के सुधार मील के पत्थर रहे जो आज तक चल रहे है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. While the Indian capitalists were not in favour of protracted mass civil disobedience, many of them also acknowledged the utility, even necessity, of civil disobedience in getting crucial concessions for their class and the nation. Explain. **(150 words) 10**

जहाँ भारतीय पूँजीपति दीर्घकालीन समय तक चलने वाले सामूहिक सविनय अवज्ञा के पक्ष में नहीं थे, वहीं उनमें से कई ने अपने वर्ग और राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण रियायतें प्राप्त करने में सविनय अवज्ञा की उपयोगिता, यहाँ तक कि आवश्यकता को भी स्वीकार किया। स्पष्ट कीजिए।

सविनय अवज्ञा आंदोलन 1930 से 1934 तक सम्पूर्ण भारत में चला। इसके कारण किसानों, श्रमिकों, महिलाओं के साथ-साथ पूँजीपति वर्ग ने इसमें अपने हितों को साधने की कोशिश की

सविनय अवज्ञा

- विदेशी कानूनों का बहिष्कार
- स्वदेशी
- राष्ट्रीय स्वाभिमान

सामूहिक सविनय अवज्ञा के पक्ष में नहीं होने का कारण -

① विदेशी पूँजीपतियों की तुलना में (स्वदेशी) उद्योग, माँग-पूर्ति हेतु कम सक्षम।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② तकनीक, वित्त तथा कच्चे माल के लिए विदेशी पूँजीपतियों पर निर्भरता

③ कानून व्यवस्था का उल्लंघन होना लूट की घटनाओं की अधिकता

④ विदेशी आयात सस्ता होना।

आवश्यकताओं को स्वीकारने के कारण

① बैंक बीमा क्षेत्र में स्वदेशी उद्योगों में राज्यों द्वारा निवेश करना जैसे बड़ौदा, ग्वालियर, मैसूर

② प्रीविलेज, संरक्षण, स्थानीय प्रमुख की अपेक्षा करना उदाहरण पंजाब

③ डॉ. अंबेडकर समर्थकों ने जनजातियों तथा अस्पृश्यता के उपरांत भी आंदोलन का समर्थन किया।

④ इस प्रकार जहां दीर्घकालीन आंदोलन ~~पूँजीपति~~ पूँजीपतियों को सकारात्मकता नकारात्मक दोनों तरीके से प्रभावित कर रहा था। किंतु गांधी जी के नेतृत्व में इसे स्वीकारा गया।

4. American Revolution was a constitutional crisis brought on by the irreconcilability of Britain's imperial interests and the colonists' experience in self-government. Explain. (150 words) 10

अमेरिकी क्रांति एक संवैधानिक संकट था जो ब्रिटेन के साम्राज्यिक हितों और स्व-शासन में उपनिवेशवासियों के अनुभव के परस्पर विरोध से उत्पन्न हुआ था। स्पष्ट कीजिए।

अमेरिका की क्रांति (1760 से 1776) कोई आकस्मित घटना नहीं थी। बल्कि ब्रिटेन के साम्राज्यिक हितों और स्वशासन उपनिवेशवासियों के परस्पर विरोध से उत्पन्न हुआ।

ब्रिटेन के साम्राज्य के हितों का प्रभाव

① व्यापारिक एकाधिकार के लिए ब्रिटेन ने अमेरिका में दासों के व्यापार, भारतीय चाय, चीनी, सूत के व्यापार पर नियंत्रण स्थापित किया। कि

② अत्यधिक लागत एवं कम राजस्व का सृजन से व्यापारिक घाटा अधिक होना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ अमेरिका में ब्रिटिश कैदियों को बसाना जिससे ब्रिटिश हित सक्षम जुड़ गये थे।

④ कच्चे माल और व्यापारिक जहाजों पर ईस्ट इंडिया कम्पनी का अधिकार

अमेरिकी स्वशासन का अनुभव

① दूरस्थ और कमजोर प्रशासनिक नियंत्रण के कारण अमेरिकी लोगों को स्वशासन का व्यापक अनुभव हुआ

② उपनिवेश की प्रवृत्ति के कारण अमेरिकी ब्रिटिश नियंत्रण को सही नहीं मानते थे

③ कनाडा पर का खतरा नहीं होना भी ब्रिटिश साम्राज्य की उपयोगिता को सीमित कर रहा था।

④ स्वतंत्रता स्वच्छंद प्रवृत्ति की जीवन शैली

⑤ नस्ली समानता।

इन्हीं कारणों से बोस्टन टी पार्टी, फ्रांस की सहायता और जन आंदोलन से अमेरिका को स्वतंत्रता मिली।

5. Explaining the phenomenon of Western Disturbance, discuss its impact on the Indian weather system. (150 words) 10

पश्चिमी विक्षोभ की परिघटना को समझाते हुए, भारतीय मौसम प्रणाली पर इसके प्रभाव की विवेचना कीजिए।

पश्चिमी विक्षोभ परिघटना :

शीत ऋतु में भूमध्य सागरीय चक्रवातों का तुर्की, ईरान, पाकिस्तान के रास्ते भारतीय भूमि तक परिसंचरण और इससे भारतीय भूमि पर पड़ने वाले प्रभाव को पश्चिमी विक्षोभ परिघटना कहते है।

नक्शा : भारत

प्रायः दिसंबर से फरवरी महीने में यह परिघटना घटित होती है।

कारण ① चक्रवाती वर्षा
② पछुआ पवनों की गति और दिशा।

प्रभाव ① भारतीय मौसमी प्रणाली

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में ① 13% वर्षा भारत को पश्चिमी विक्षोभ से प्राप्त होती है।

② मावठ की वर्षा रबी फसल गेहूं, जौ, के लिए लाभप्रद मानी जाती है।

③ शीत ऋतु में तापमान में वृद्धि हो जाती है और धुंध में कमी आती है।

④ राजस्थान फतेहपुर, जैसलमेर, चुरू में वर्षा की प्राप्ति पशुपालन हेतु सहायक

⑤ कश्मीर, लद्दाख में बर्फबारी में वृद्धि होती है जिससे सदानीरा नदियों को जल की आपूर्ति होती है।

इस प्रकार भारतीय प्रायद्वीप में पश्चिमी विक्षोभ लाभप्रद है और भारतीय मानसूनी जलवायु को समर्थ प्रदान करती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Arabian Sea, a cyclone shy water body, is converting into a cyclone hotbed. Analyse the reasons behind this trend. **(150 words) 10**

अरब सागर, जहाँ पहले कम चक्रवात आते थे, वहीं अब यह चक्रवात प्रवण जल निकाय के रूप में परिवर्तित हो रहा है। इस प्रवृत्ति के लिए उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण कीजिए।

अरब सागर में 1980 के उपरांत से चक्रवातों की आवृत्ति में 14% की वृद्धि भारतीय मौसम विभाग ने दर्ज की।

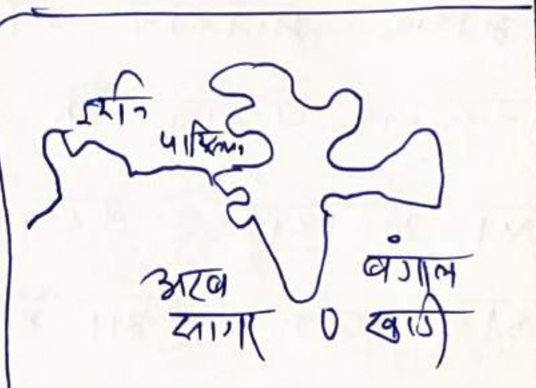

उदाहरण: ताउते चक्रवात प.एशिया के कारण केरल, महाराष्ट्र, गुजरात के तटो पर बाढ़ आना।

उत्तरदायी कारण

(1) वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण समुद्री जल स्तरीय तापमान में 1°C की वृद्धि 1901 उपरांत दर्ज की गई है (UNFCC रिपोर्ट 2020)

(2) भारतीय मुख्य भूमि के तापमान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

में वृद्धि के कारण चक्रवातों का स्थल की तरफ संचरण होना।

③ अधिक मानवीय गतिविधियां एवं जनसंख्या बसाव के कारण गुजरात तथा महाराष्ट्र तट पर अधिक जल निकाय संभव हुआ है।

④ मध्य महासागरीय जल संचरण प्रणाली का कमजोर होना इससे अरब सागर जल अधिक गर्म हुआ है।

⑤ गल्फ धारा के दिशा भारतीय भूमि की तरफ होना।

⑥ समुद्री अल नीनो, ला नीनो की घटना।

अतः बंगाल की खाड़ी की तुलना में चक्रवात अब अरब सागर में आने लगे हैं इस दिशा में अधिक वैज्ञानिक अध्ययनों की आवश्यकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Despite the Peninsular India being a stable land mass and a region of slight seismicity, it has witnessed several earthquakes. Discuss with examples. **(150 words) 10**

एक स्थिर भूभाग और कमजोर भूकंपीयता का क्षेत्र होने के बावजूद, प्रायद्वीपीय भारत अनके भूकंपों का साक्षी रहा है। उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

भूकम्प धरातल पर उत्पन्न होने वाली तरंगो के कारण होने वाली कम्पन को कहते है।

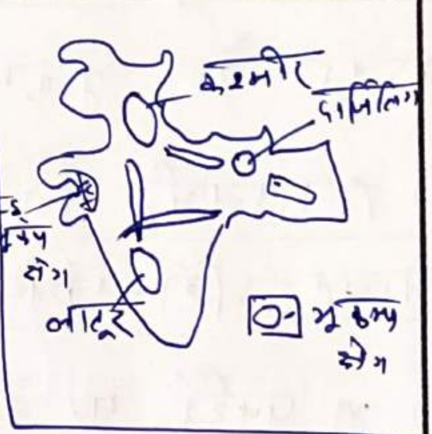

भूकम्प के कारणों में प्राकृतिक एवं मानवीय कारण महत्वपूर्ण रहे है।

भारतीय प्रायद्वीप एक स्थिर एवं ठोस प्रायद्वीप माना जाता है —

① ज्वालामुखी क्रियाओं का अभाव
② पुरानी प्रायद्वीप संरचना
③ अभिसारी क्षेत्र में नहीं होना

फिर भी भारत में अधिक भूकम्प आ रहे है —

① प्राकृतिक कारणों से भूकम्प में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीय प्रायद्वीप का उत्तर पूर्वी संरचना उत्तरदायी है। जिस कारण दार्जिलिंग, असम, तथा अरुणाचल प्रदेश में भूकम्प आते हैं।

(2) हिमालयी निर्माण क्रम में सुलेमान, तिब्बत, शिवालिक क्षेत्रों में भूकम्प आता

(3) भू प्रपर्टी पर में दबाव जनित विवरों, छिद्रों का निर्माण से कच्छ में (2000) भूकम्प आया।

मानवीय कारणों में

(4) लातूर का भूकम्प, टिहरी बाँध के कारण उत्तराखण्ड का भूकम्प महत्वपूर्ण है।

कह सकते हैं इसी कारण भारतीय मानचित्र से भूकम्प जोन 1 (एक) अब दो में सम्मिलित कर लिया गया है अब भारत का कोई भी प्रदेश भूकम्प मुक्त नहीं माना जाता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Despite all the long strides towards women's rights to property and inheritance in India, there still exist challenges that need to be addressed. Discuss. **(150 words) 10**

भारत में महिलाओं के संपत्ति अधिकारों और उत्तराधिकार की दिशा में सभी बड़ी प्रगति के बावजूद, अभी भी ऐसी चुनौतियाँ विद्यमान हैं जिनका समाधान किए जाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

जनगणना 2011 में 58.63 करोड़ महिलाएँ 62 करोड़ के करीब पुरुषों की तुलना में। किंतु वे विभिन्न सुधारों के बाद भी चुनौतियों से जूझ रही है।

सम्पति एवं उत्तराधिकार की दिशा में प्रयास:

① हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम 2002 के तहत पिता की सम्पति से पुत्री को भी समान अधिकार।

② सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों में उन्हें ससुराल में निवास का अधिकार, पति से सम्पति का अधिकार दिया गया।

③ तलाक उपरांत पति की सम्पति में अधिकार विवाह विच्छेद अधिनियम तहत।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) 12.8% महिलाओं के नाम कृषि भूमि का अधिकार विद्यमान, प्रधानमंत्री आवास योजना में भवन का अधिकार।

विद्यमान चुनौतियां

(1) मात्र 12.8% महिलाओं को ही भूमि का अधिकार।

(2) मुस्लिम महिलाओं को सम्पत्ति अधिकार प्राप्त नहीं।

(3) श्रम में 21.4% ही भागीदारी (PLFS-4)

(4) रोजगार में भेदभाव - कम मजदूरी, निम्न कार्यदशायें, नेतृत्व से वंचना, कौशल अभाव।

(5) वित्तीय निर्णय व स्वायत्तता का अभाव

अतः वित्तीय शिक्षा, कौशल, सम्पत्ति का सभी वर्गों की महिलाओं को अधिकार तथा अन्य सुधारों की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. It has been observed in India, while the population has stabilised in southern states, this remains a pipe dream in the case of northern states. Analyse the reasons behind this trend. (150 words) 10

भारत में यह देखा गया है कि जहाँ दक्षिणी राज्यों में जनसंख्या स्थिर हो गई है, वहीं उत्तरी राज्यों के मामले में यह अभी भी एक स्वप्न बना हुआ है। इस प्रवृत्ति के लिए उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण कीजिए।

2011 की जनगणना अनुसार भारत में 121 करोड़ जनसंख्या निवास करती है भारत 2021 तक दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश होगा।

दक्षिण राज्यों में उत्तर भारतीय राज्यों की तुलना में जनसंख्या के आंकड़े अलग है –

① TFR जहां दक्षिण राज्यों में 2.1 के प्रतिस्थापन से कम चला गया है तो वहीं उत्तरी भारत के बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, उत्तरप्रदेश में यह 2.6 के करीब बना है (NFHS4)

② उत्तर भारत में युवाओं की संख्या अत्यधिक अतः निकट भविष्य में अधिक जनसंख्या प्रोजेक्शन की संभावना बनी हुई है

प्रवृत्ति के उत्तरदायी कारण

① स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच का अभाव = केरल, तमिलनाडु में व्यापक स्वास्थ्य कवरेज वहीं बिहार, उत्तरप्रदेश, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित

② शिक्षा का अभाव पिछड़ा में साक्षरता दर अधिक

③ आर्थिक पिछड़ापन की अधिकता के कारण उत्तरी राज्यों में गरीबी और अधिक जनसंख्या वृद्धि।

④ सांस्कृतिक रूढ़ियां - पुत्र की चाहत में अनचाही लड़कियां होना (नीति आयोग)

⑤ गर्भनिरोधकों तक सीमित पहुँच,

⑥ कम उम्र में विवाह करना।

⑦ प्रवासन की अधिकता

अतः आवश्यक है कि 'विकास ही सबसे अच्छा गर्भनिरोधक है' की रणनीति को अपनाने और 'दो बच्चा नीति' पर चर्चा किया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Globalisation is affecting the attitudes and aspirations of youth in India in multifarious ways. Discuss. **(150 words) 10**

वैश्वीकरण भारत में युवाओं की अभिवृत्ति और आकांक्षाओं को विविध तरीकों से प्रभावित कर रहा है। चर्चा कीजिए।

वैश्वीकरण का तात्पर्य श्रम, पूंजी तकनीक, ज्ञान का निबाध्य संरचना से है। (भारतीय योजना आयोग)

युवाओं की अभिवृत्ति में परिवर्तन

① सामाजिक रूढ़िवादी धारणाओं का विरोध करना।

उदाहरण:- [अंतर्जातीय कठोरता का
छुआछूत का विरोध।

② प्रगतिशील विचारों, तार्किकता को अपनाना।

उदाहरण:- [श्रम हेतु प्रवासन
पश्चिमी शिक्षा अपनाना

③ तकनीकी उन्मुख होना

④ स्टार्ट अप की तरफ बढ़ना। जोमेटो

आकांक्षाओं पर प्रभाव

① रोजगार देने की आकांक्षा न की रोजगार लेने की। भारत विश्व का 4th बड़ा स्टार्टअप देश।

② वैश्विक कम्पनियों में नेतृत्व, उदाहरण - सत्य नडेला

③ सामाजिक सुधारों में एवं पर्यावरण को महत्व ⇒ वंदना शिवा, कैलाश सत्यार्थी

④ अच्छे अभियान को अपनाना डिजिटल गवर्नेंस, ई-गवर्नेंस

⑤ अन्तरिक्ष यात्रा ⇒ वर्तिका गैलेक्सी (इसरो में भागीदारी)

कह सकते हैं कि भारतीय युवा सम्पूर्ण मंतांकिक आकांक्षा की दिशा में विश्व के प्रत्येक देश और प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावशाली भूमिका की दिशा में बढ़ रहे हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Identifying its major forms, broadly trace the evolution of classical dance in India. (250 words) 15

शास्त्रीय नृत्य की प्रमुख शैलियों की पहचान करते हुए, व्यापक रूप से भारत में इसके विकास का पता लगाइए।

शास्त्रीय नृत्य वे नृत्य है जो किसी शास्त्र के सिद्धांतों में बंधे होते है। इस कारण कलाकार को उन्ही सिद्धांतों का पालन करना होता है।

भारत में शास्त्रीय नृत्यों की प्रमुख शैलियां और उनका विकास निम्न प्रकार रहा है –

① हिंदुस्तानी शास्त्रीय नृत्य (कत्थक)

हिंदुस्तानी शास्त्रीय नृत्य का प्रारंभ दरबारी वातावरण में 14वीं से 18वीं सदी में उत्तर भारतीय घरानों में हुआ।

इसी कारण इसमें घराना शैली को महत्व दिया जाता है। प्रत्येक घराना अलग-अलग तरीके से नृत्य गायक को महत्व देता है।
उदाहरण: जयपुर घराना, लखनऊ घराना। (कत्थक)

② कुचिपुडी नृत्य - आंध्रप्रदेश में इस नृत्य का विकास 18वीं सदी में हुआ। मंदिरों में इसका व्यापक प्रचलन रहा।

③ मोहिनी अट्टम केरल का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य है इसमें मोहिनी मुद्रा को धारण कर ईश्वर की प्रार्थना और भक्ति भाव से प्रस्तुत किया जाता है।

④ भरतनाट्यम में आँखों और

चेहरे की भंगिमा को अधिक महत्व दिया जाता है। इसका विकास भी मंचों और मंदिरों में शिव-ताण्डव को प्रस्तुत करने के लिए मध्यकाल में हुआ।

(5) कालबेलिया नृत्य - राजस्थान में कालबेलिया जनजाति द्वारा प्रस्तुत किया जाता है इसका विकास प्राचीन काल से ही।

इस प्रकार नृत्य कला की परम्परा भारत में लोककला के रूप में मंदिरों में विकसित हुई, राजदरबारों में इसे बढ़ावा मिला। आज भी इन कलाओं को भारतीय साहित्य परिषद द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है।

12. The acceptance of partition by the Indian National Congress was only the last stage of the process of gradual concessions given to the Muslim League. Critically discuss. (250 words) 15

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा विभाजन की स्वीकृति वस्तुतः मुस्लिम लीग को दी गई क्रमिक रियायतों की प्रक्रिया का केवल अंतिम चरण था। समालोचनात्मतक चर्चा कीजिए।

भारत का 1947 का विभाजन भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटना थी। इतिहासकारों ने भारत विभाजन को अचानक घटित घटना नहीं मानकर एक क्रमिक घटनाओं का परिणाम माना है।

मुस्लिम लीग को दी गई रियायतों का अंतिम परीणाम एवं अन्य कारण

① इतिहासकारों अनुसार 1916 का कांग्रेस - मुस्लिम लीग समझौता भारत विभाजन का पहला कारण था। इसमें मुसलमान-हिंदू आधार पर धर्म का राजनीतिकरण हुआ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) असहयोग आंदोलन में खिलाफत का प्रश्न सम्मिलित करके धर्म के आधार पर राजनीतिक मुद्दों को बढ़ावा दिया गया। और इस कारण राष्ट्रीय धुरी में धर्म प्रमुख मुद्दा बना।

(3) नेहरू समिति और जिन्ना की चौदह सूत्री मांगों ने हिंदू-मुस्लिम मुद्दों में अलगाव पैदा किया।

(4) 1937 में कांग्रेस द्वारा प्रांतीय विधानसभाओं में भारी बहुमत पाना भी मुस्लिम लीग को धर्म आधार पर ध्रुवीकरण का अवसर देने का कारण बना।

(5) हिंदू महासभा तथा मुस्लिम लीग की संकीर्ण कार्यवाहियां जैसे

धार्मिक शुद्धिकरण, गोहत्या, गणेश उत्सव इत्यादि।

⑥ शिमला समझौता (1942) के मूल ने कांग्रेस को हिंदुओं और मुस्लिम लीग को मुसलमानों की पार्टी बना दिया।

⑦ अंग्रेजों की फूट डालो राज करो नीतियां, आरक्षण, मार्ले-मिंटो सुधार में धर्म आधारित सीट निर्धारण अन्य कारण रहे।

निष्कर्षतः कह सकते हैं मुस्लिम लीग की धर्म रियासतें और अन्य कारकों ने मिलकर भारत विभाजन को यथार्थ बनाया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Over the course of the freedom struggle, especially after the Indian Council's Act of 1892, nationalist leaders in India transformed the Imperial Legislative Council, from a powerless machine functioning as a tool of endorsement of government policies into a forum for ventilating popular grievances. Discuss. **(250 words) 15**

स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान, विशेष रूप से 1892 के भारतीय परिषद अधिनियम के पश्चात्, भारत में राष्ट्रवादी नेताओं ने साम्राज्यिक विधान परिषद को सरकारी नीतियों के समर्थन के एक साधन के रूप में कार्य करने वाली शक्तिहीन मशीन से सार्वजनिक शिकायतों को व्यक्त करने वाले एक मंच में परिवर्तित कर दिया। चर्चा कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885) के उपरांत उदारवादी समूह (नौरोजी, तेलंग, फिरोजशाह मेहता) ने राष्ट्रीय एकीकरण, राजनीतिक शिक्षा, जन जागरूकता तथा ब्रिटिश नीतियों की आलोचना को स्वयं लक्ष्य बनाया।

① 1892 के अधिनियम में मनोनयन के माध्यम से भारतीयों की विधानपरिषदों में भागीदारी बढ़ी।

② दादाभाई नौरोजी, लालालाजपतराय

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ने ब्रिटिश विरोध के लिए यौधिक का अपयोग किया।

(3) उन्होंने ब्रिटिश जनमत को भारतीय की माँगों प्रति जागरूक करने की कोशिश की।

(4) समाचार पत्रों को छूट, भारतीय सिविल सेवा में भारतीय को प्रवेश, प्रवेश की आयु बढ़ाना, भारतीय शिक्षा पर खर्च प्रमुख मुद्दा रहा।

(5) लालाजी ने अनिवार्यत, बजट पर पूरक प्रश्न पूछने का अधिकार की मांग उठाई।

(6) बंगाल विभाजन के विरुद्ध (1905) में त्यागपत्र देना।

(7) स्वदेशी उद्योगों को संरक्षण की मांग उठाई।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किंतु विधानपरिषदों में सीमित अधिकार ही भारतीय प्रतिनिधियों को प्राप्त थे —

① उन्हें पूरक प्रश्न पूछने का अधिकार नहीं था।

② वित्तीय अधिकार नहीं था।

③ अल्प सदस्यता

④ वायसराय को वीटो अधिकार

फिर भी 1909 के मार्ले मिंटो सुधार, भारतीयों को एकीकृत करने, राष्ट्रीयता की मांग उभारने, धन निष्कासन का विरोध में यह प्रयास सफल रहा।

14. Despite its advocacy for peaceful resolution of disputes, highlight the factors that prompted India to use force to remove Portuguese colonial rule from its territories after independence. **(250 words) 15**

विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के पक्षसमर्थन के बावजूद, उन कारकों पर प्रकाश डालिए जिन्होंने भारत को स्वतंत्रता के पश्चात् अपने राज्य-क्षेत्रों से पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन को बाहर निकालने के लिए बल प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया।

1947 में स्वतंत्रता उपरांत राष्ट्रीय एकीकरण एक चुनौतिपूर्ण कार्य था। सरदार वल्लभभाई पटेल के नेतृत्व में प्रांतीय एवं देशी रियासतों को (लगभग 552) 1947 में भारत में मिला लिया गया। किंतु पुर्तगाली उपनिवेश (गोवा, दमन दीव, दादर) का एकीकरण चुनौतिपूर्ण रहा।

भारत ने पुर्तगाली आधिपत्य वाले (गोवा दमन, दादर) को एकीकृत करने हेतु 1961 में बल प्रयोग निम्न कारणों से किया –

(1) पुर्तगाल द्वारा भारत की इच्छा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का विरोध करना।

② सैन्य उपस्थिति बढ़ाने का पुर्तगाल द्वारा प्रयास।

③ संयुक्त राष्ट्र संघ में इस विवाद को ले जाकर लम्बा खिंचने की कोशिश।

④ भारत विरोधी ताकतों से पुर्तगाल की साँठगाँठ।

⑤ नागरिक विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए अमानवीय तरीकों को अपनाना। मानवाधिकारों का उल्लंघन।

⑥ राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष चुनौती जहाँ पुर्तगाली उपनिवेश बने रहते।

इन्हीं सभी कारणों के कारण भारत ने सैन्य कार्यवाही का रास्ता चुना।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी भारत की सुरक्षा, लोगों के जनमत का सम्मान करते हुए भारत की कार्यवाही का समर्थन किया।

कह सकते है कि भारत की सैन्य कार्यवाही के उपरांत भी भारत ने 552 रियासतों में बिना बल प्रयोग एकीकरण किया। अतः यह सैन्य कार्यवाही अपवाद मात्र थी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. The roots of the present Israel-Palestine conflict may be traced back to ancient history, however it is the 20th century which has shaped it in its modern form. Explain. (250 words) 15

वर्तमान इज़राइल-फिलिस्तीन संघर्ष की जड़ों को पीछे जाकर प्राचीन इतिहास में खोजा जा सकता है, हालांकि यह 20वीं शताब्दी थी जिसने इसे आधुनिक रूप में आकार दिया। स्पष्ट कीजिए।

इजराइल-फिलीस्तीन संघर्ष पश्चिमी एशिया में प्रमुख मुद्दा रहा है। इसमें इजराइल एवं फिलीस्तीन राज्य के निर्माण को लेकर वेस्ट बैंक को लेकर तनाव बना हुआ है।

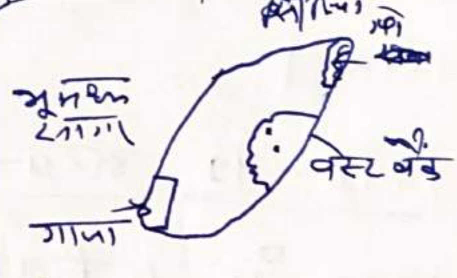

चित्र: इजराइल-गाजा

संघर्ष का इतिहास

① द्वितीय विश्वयुद्ध से पूर्व हिटलर द्वारा जर्मन यहूदी लोगों का सामूहिक नरसंहार करना।

② इसके परिणामस्वरूप होलोकास्ट की घटना हुई। सम्पूर्ण विश्व यहूदी

अपनी उत्पत्ति क्षेत्र यहूदी इजराइल में आना प्रारंभ हुए।

(3) 1948 में स्वतंत्र इजराइल की स्थापना।

(4) 1948-49 अरब-इजराइल संघर्ष

(5) 1965 में 6 दिवस युद्ध में इजराइल की विजय।

(6) 1993 ओस्लो समझौता शांति की स्थापना

(7) 2002-03 में गाजा पट्टी की स्वतंत्रता। फिलिस्तीन मुक्ति मोर्चा (1983) द्वारा वेस्ट बैंक को मुक्त करने की मांग।

(8) 2021 में इजराइल द्वारा वेस्ट बैंक में बस्तियां बसाना।

(9) 2020 में अमेरिका ने तेल अवीव को

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जगह यरूशलम को राजधानी माना

कह सकते है कि धार्मिक दृष्टि से यहूदी - ईसाई - अरब तीनों का सम्बंध यरूशलम से है और यहीं से संघर्ष की शुरुआत होती है

20वीं सदी में आकर संघर्ष वास्तविक रूप में उभर कर आता है।

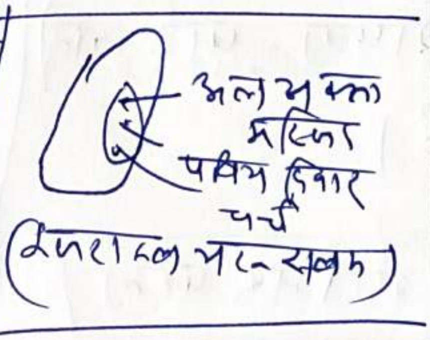

Don't write anything in the margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Draw out a comparison between Savanna and Steppe types of climate in terms of economic and geographical aspects. **(250 words) 15**
आर्थिक और भौगोलिक पहलुओं के संदर्भ में सवाना और स्टेपी प्रकार की जलवायु के बीच तुलना कीजिए।

सवाना बायोम: भूमध्य रेखा की प्रमुख विशेषता है। महाद्वीपों के आंतरिक भागों में जहां वर्षा की मात्रा कम होती है वहां इस प्रकार की विशेषता पाई जाती है।

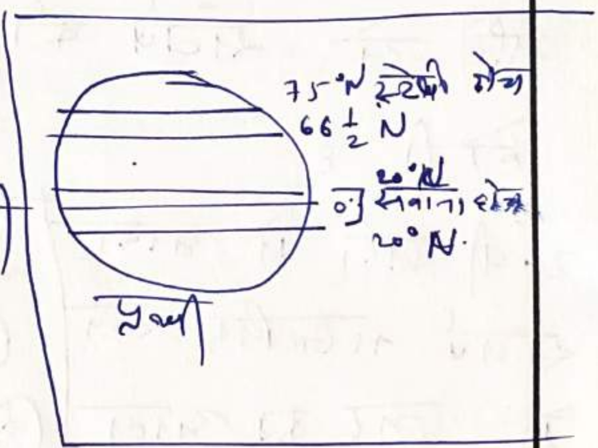

भौगोलिक पहलू

तापमान - ① साल के अधिकांश समय 30°C से अधिक तापमान।

ऋतु ② छोटी शीत ऋतु

वर्षा ③ वर्षा गर्मी के महीनों में
④ वर्षा की मात्रा कम

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वनस्पति ⑤ घास भूमि की अधिकता
उदाहरण : हाथी घास
⑥ वृक्षों का अभाव

आर्थिक पहलू

① चारागाह भूमि अतः पशुचारण को बढ़ावा मिलता है।
उदाहरण - माओरी जनजाति

② वनस्पति की अधिकता के कारण भूमि कृषि योग्य

स्टेपी प्रदेश

भौगोलिक पहलू

① तापमान - 0°C से 12°C के मध्य
② वर्षा - बर्फबारी और मौसमी वर्षा
चक्रवाती वर्षा
③ वनस्पति - समतल मैदान व
④ मृदा - चरनोजेम उर्वरक मृदा

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आर्थिक पहलू

① गेहूँ, मक्का की खेती के लिए आदर्श स्थिति।

② यूक्रेन को गेहूँ का कटोरा कहा जाता है। अमेरिका में मक्का की अधिकता।

③ पशुपालन हेतु रेंचों की अधिकता और व्यवसायिक पशुपालन संभव

इस प्रकार सवाना और स्टेपी दोनों महत्वपूर्ण रूप से अलग-अलग जलवायु का प्रतिनिधित्व करते हैं

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Give an account of the deposits of different types of minerals found in the ocean relief across the world. **(250 words) 15**

विश्व भर में महासागर उच्चावच में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के खनिजों के निक्षेपों का विवरण दीजिए।

महासागरों का प्रसार पृथ्वी के 2/3 भू भाग पर है।

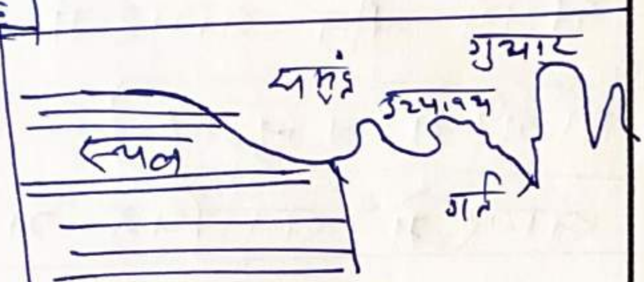

चित्र : समुद्री उच्चावच

महासागरीय उच्चावचों में समुद्री गर्त, समुद्री मैदान, कटक, गुयाट, द्वीप सम्मिलित होते हैं।

विश्व स्तर पर महासागर उच्चावच में पाए जाने वाले खनिजों का विवरण

① गैस एवं तेल निक्षेप –

- म्यांमार के ~~[illegible]~~ तट पर, ईरान, सऊदी अरब, कतर, कुवैत, ओमान, तट पर तेल गैस निक्षेप
- भारत में मुम्बई हाई, कृष्णा गोदावरी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बेसिन में तेल गैस की उपलब्धता

- रूस के सखालिन प्रायद्वीप तटपर
- दक्षिण चीन सागर में

② पॉली मेटल नुड्यूल – दक्षिण चीन सागर में सर्वाधिक भण्डार।

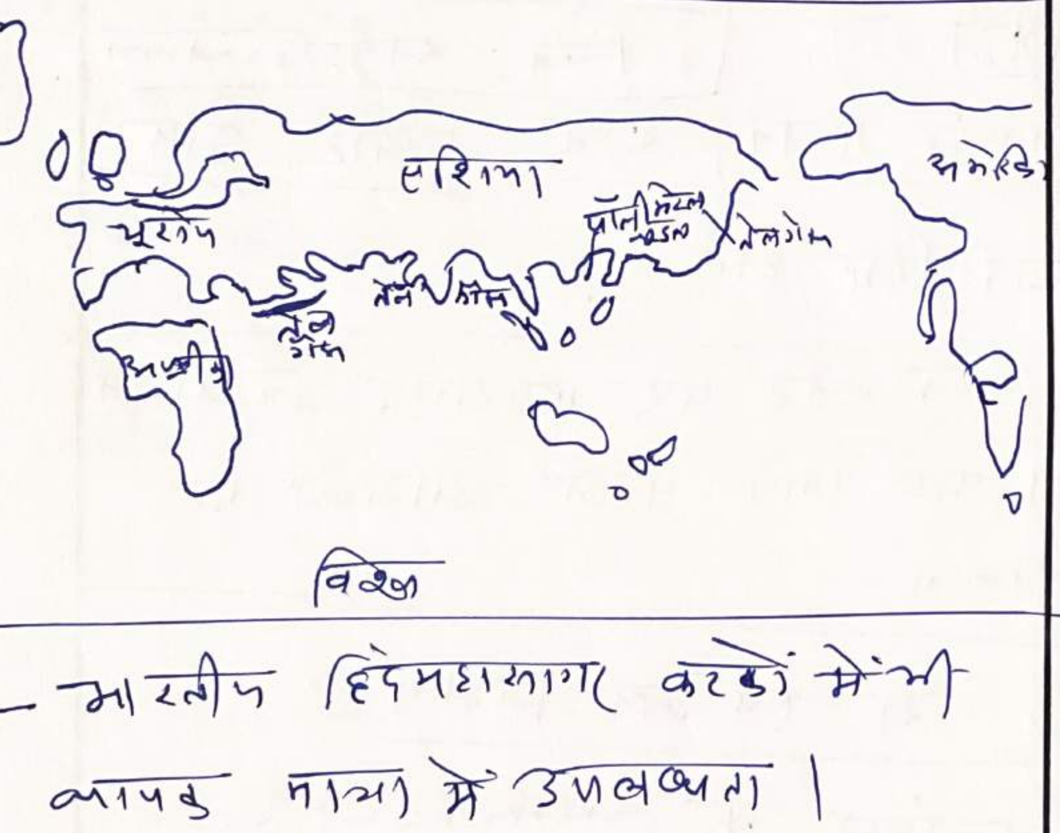

विश्व

- भारतीय हिंदमहासागर तटों में भी व्यापक मात्रा में उपलब्धता।
- केरल क्षेत्र में उपलब्धता

③ रेत – यूरोप-अमेरिका तटीय क्षेत्रों में अधिकता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) सोना - पश्चिमी अमेरिका तटपर

(5) कोयला - उत्तरी ब्रिटेन तटपर

(6) उर्वरक - शैवाल, फास्फोरस

निक्षेपों की उपलब्धता (फिल्लीट)

कह सकते है कि मत्स्य, खनिज

उर्जा के अतिरिक्त अमुद्री खनिज

ब्लू इकोनोमी की ग्रोथ में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है।

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Discuss the problems and prospects of the cotton textile industry in India. (250 words) 15

भारत में सूती वस्त्र उद्योग की समस्याओं और संभावनाओं पर चर्चा कीजिए।

सूती वस्त्र उद्योग

भारत सूती वस्त्र का प्रमुख केंद्र हड़प्पा काल से ही बना है। गैर भारतीय मुख्य बाजार से दूर अवस्थिति इसकी विशेषताये है।

भारत में 12 करोड़ प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रोजगार, रेलवे, कृषि बाद सबसे बड़ा रोजगार क्षेत्र है।

समस्याये

① पुरानी तकनीकि - मशीने -
अधिक श्रम की आवश्यकता एवं कम उत्पादन प्रभुत्व जताता है।

② वित्तीय का अभाव - कोविड-19 कारण सबसे अधिक प्रभावित था

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना

मुख्यतः बांग्लादेश - वियतनाम से प्रतिस्पर्धा

(4) नवाचार का अभाव - तकनीकी बदलाव पर कम बल

(5) कच्चे माल का अधिक निर्यात - चीन प्रमुख आयातक देश।

(6) कौशल, शिक्षा का अभाव

(7) बाजार तक पहुँच, विपणन का अभाव। इसी कारण मध्यस्थों द्वारा शोषण किया जाता है।

संभावनाएँ

(1) युवाओं की अधिकता और कौशल युक्त श्रमिकों के कारण जनांकिकी लाभांश का अवसर विद्यमान।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन द्वारा रचनात्मक नवाचारों को बल

(3) चौथा प्रामाणिक क्षेत्र को में शामिल होने कारण वित्त की उपलब्धता।

(4) विपणन हेतु ई-कॉमर्स का उपयोग भारत में 73 करोड़ इन्टरनेट प्रयोक्ता

(5) महिलाओं को रोजगार का व्यापक अवसर (PLFS - 21.4% महिला बेरोजगार)

(6) कच्चे माल की व्यापक उपलब्धता

(7) 2026 उपरांत भारत सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा

अतः सूती वस्त्र जी.डी.पी. रोजगार, कृषि सहायता, निर्यात की आवश्यकता है आवश्यकता राष्ट्रीय वस्त्र मिशन एवं कपड़ा मंत्रालय को सशक्त बनाने की है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. As Indian cities are undergoing rapid urbanization with burgeoning population, state policies and actions have proved to be inadequate to address the corresponding challenges. Analyse. **(250 words) 15**

जहाँ भारतीय शहर तेजी से बढ़ती जनसंख्या के साथ द्रुत शहरीकरण के दौर से गुजर रहे हैं, वहीं राज्य की नीतियां और कार्रवाईयां संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए अपर्याप्त सिद्ध हुई हैं। विश्लेषण कीजिए।

भारत की जनगणना 2011 अनुसार 31.7% जनसंख्या (37 करोड़) शहरों में निवास करती है। जो अनुमानत: 2026 में 50% हो जाएगी।

भारत दुनिया के उन देशों में अग्रणी है जहां शहरीकरण तीव्रता से बढ़ रहा है।

तीव्र शहरीकरण के कारण

① सुविधायें — स्वास्थ्य सुविधा
— शिक्षा
— कौशल

② उच्च आय अवसर

③ नीतियों का शहरों पर

(4) तनासन

राज्य द्वारा किये गये प्रयासों में

(1) 74 वां संविधान संशोधन
(2) स्थानीय संस्थाओं की क्षमता विकास।
(3) स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)
(4) सड़क विद्युत योजनाएँ
(5) स्वास्थ्य सुविधाओं (शहरों में केंद्रित होना)

शहरों में विद्यमान चुनौतियाँ

(1) कच्ची बस्तियों की समस्या
(2) प्रदूषण - दिल्ली
(3) परिवहन - ट्रैफिक समस्या
(4) नगर प्रशासन की असफलता
(5) कोविड-19 प्रबंधन में चुनौतियाँ
(6) अपराध - यौन, बलात्कार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आगे की राह

1. प्रधानमंत्री आवास योजना को सफल बनाना।
2. डिजिटल इंडिया के तहत मोबाइल इन्टरनेट की पहुँच
3. सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की पहुँच बढ़ाना
4. नगरपालिका बान्ड, ग्रीन बाँड का अधिकार
5. शहरी प्रशासन में पारदर्शिता एवं भ्रष्टाचार मुक्त बनाना
6. स्मार्ट शहर योजना की सफलता

इस प्रकार बढ़ते नगरीकरण की दिशा में योजनाओं कार्यक्रमों को गति देनी होगी।

20. Nation doesn't negate the concept of region. Discuss the idea in the Indian context. (250 words) 15

राष्ट्र क्षेत्र की अवधारणा को नहीं नकारता है। भारतीय संदर्भ में इस विचार पर चर्चा कीजिए।

राष्ट्र: एक व्यापक अवधारणा है जिसमें सभी प्रांत, क्षेत्र सम्मिलित होते हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद (1) भारत को राज्यों का संघ भी राष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में कहता है।

क्षेत्र - एक संकीर्ण अवधारणा है जो किसी विशिष्ट क्षेत्र के प्रति लोगों के लगाव की मानसिकता को दर्शाती है। यह लगाव जाति, धर्म, भाषा, नस्ल, एक समान इतिहास के कारणों से हो सकता है। उदाहरण → मराठा
→ नागालिम
→ द्रविड़िस्तान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राष्ट्र के अंदर क्षेत्र का संरक्षण

(1) भारत जाति धर्म, भाषा इत्यादि आधार पर भेदभाव को नकारता है संविधान व्यक्ति समानता, स्वतंत्रता धार्मिक स्वतंत्रता को महत्व देता है।

(2) क्षेत्रीय मुद्दों हेतु 73वां, 74वां संविधान संशोधन स्थानीयता को महत्व देता है।

(3) 371 वां संविधान अधिनियम राज्यों की क्षेत्रीय स्थिति को संरक्षण देता है।

(4) संविधान में 350 (5) अधिनियम भाषाजी क्षेत्रीयता को समर्थन देता है

(5) वित्त आयोग (15वां) ने क्षेत्रीय स्थिति आधार पर वित्त आवंटन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को अपनाने का समर्थन

(6) क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन सरकारों की स्थापना तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व इसी क्षेत्रवाद का समर्थन।

(7) भारत दर्शन योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, सीमावर्ती क्षेत्र विकास कार्यक्रम, जनजातीय कार्यक्रम, क्षेत्रवाद का समर्थक।

अतः भारत राष्ट्र के अन्तर्गत ही क्षेत्रवाद को अपनाता है और संविधान की सीमा में क्षेत्रीय प्रतिभाग को बनाता है।